ओ३म्

गुरुकुल दर्पण

आर्य गुरुकुल तिहाड़ ग्राम

गुरु विरजानन्द दण्डी जी

संस्करण : मासिक, मार्च2023 वर्ष : प्रथम, अंक : 3

विक्रमी संवत् 2080, दयानन्दाब्द :200, सृष्टि संवत् 1960853124

Website : www.aryagurukultg.com Email id : aryagurukultihargram@gmail.com

दूरभाष नम्बर : 98101 02856, 98182 87125

आर्य गुरुकुल का परिचय

सन् 2008

गुरुकुल का यह स्थान वर्ष 1953 में श्री मालीकराम श्रीराम जी नरेला निवासी ने आर्य समाज की गतिविधियों हेतु दान स्वरूप दिया था। जिसे श्री परमानंद आर्य जी के तीन सुपुत्रों श्री सहदेवराज आर्य , श्री कृष्ण आर्य, श्री सुदर्शन कुमार आर्य एवं अन्य साथी श्री जैसाराम जी, श्री मिलावराम जी, श्री रोशन लाल जी आदि ने अनेक बाधाएं आने पर भी अपनी पूर्ण क्षमता से वैदिक संस्कारों एवं सादगी से बचाया और समय समय पर कार्यक्रम कर वैदिक धर्म का प्रचार भी किया। दिल्ली के गांव का परिपेक्ष होने पर और गांव के लोगों की आध्यात्मिक रुचि न होने एवं बाहरी रोड से इस स्थान का काफी अंदर होना साथ ही साथ संकरा रास्ता होने पर भी एक मुख्य कारण था जिसकी वजह से अधिक संख्या कभी भी न हो पाई। समय के साथ आर्य समाज से जुड़े साथी उन्नति कर अन्य-अन्य स्थानों पर स्थानांतरित हो गए। अंत में तीन भाइयों ने ही केवल इस स्थान की पवित्रता को बचाए रखने का पूर्ण प्रयास किया। समय का पहिया चलता रहा और आर्य समाज की गतिविधियां धीरे -धीरे चलती रही और फिर क्षीर्ण होने लगी यहां तक की हवन के लिए घी, सामग्री और समिधा का खर्च भी आपस में बाट लिया गया। इस तरह की अनेक कठिनाइयों के पश्चात भी सबसे उत्तम बात यह रही की आप सभी ने कभी भी बच्चों को संस्कार देने में कोई कमी नहीं छोड़ी जब भी कोई बालक रविवार को आर्य समाज में आता तो आप किसी भी बहाने से मंत्र, नियम, महापुरुषों की जीवनी आदि के बारे में बता पारितोषिक दे कर संस्कारित करने का पूर्ण प्रयास किया करते और साथ ही साथ ब्रह्मचारी जिनको अध्ययन के लिए स्थान उपलब्ध नहीं होता था उनको आर्य समाज में स्थान एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की परंपरा को भी स्थापित किया जिसका परिणाम यह कि आज वह सभी विद्यार्थी जो आर्य समाज तिहाड़ ग्राम में रहकर अध्ययन करते थे आज वह अनेक उच्च स्थानों पर कार्यरत है। अंततः वह विद्या और संस्कार का जो बीजारोपण किया था उसी के परिणामस्वरूप आर्य समाज तिहाड़ ग्राम का यह पवित्र स्थान विद्या एवं संस्कार देने के लिए वट वृक्ष बन कर आर्य गुरुकुल तिहाड़ ग्राम में परिवर्तित हो गया है। अपने पूर्वजों के लक्ष्य, अपेक्षाओं, आकांक्षाओं को पूर्ण करने के लिए अपनी सामर्थ्य, श्रद्धा, विश्वास से निरंतर प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए प्रयासरत है।

वैदिक मंत्र

सूर्यो रश्मिं यथा सृजा त्वा यच्छन्तु मे गिरः। निम्नमापो न सध्र्यक्।। (ऋग्वेद ८/३२/२३)

जिस प्रकार उजाला करना सूर्य का स्वभाव है। जिस प्रकार नदियों के जल का निचले स्थानों

Just as it is the nature of the sun to give light, just as it is the nature of the water in the rivers to flow towards the lower places. In the same way, it should become my nature to adore God. (Rig Veda 8-32-23)

मैनेजमेंट मेंबर्स जन्मदिन/विवाह वर्षगांठ/अन्य विशेष

श्री तेजस्वी अब्रोल सुपुत्र श्रीमती रेनुका अब्रोल जी कोषाध्यक्ष आर्य गुरुकुल तिहाड़ ग्राम

इन्होंने कहां की बच्चों के साथ गुरुकुल में जन्मदिवस मनाना अपने आप में बहुत ही गौरव का विषय है इस वातावरण में आकर लगता है कि हम अपनी प्राचीन शिक्षा को अभी जागृत किए हुए है।

श्रीमती संध्या आर्य जी धर्मपत्नी श्रीमान नीरज आर्य जी प्रधान आर्य गुरुकुल तिहाड़ ग्राम

मैं अपने आपको को सौभाग्यशाली मानती हूँ कि प्राचीन संस्कृति से जुड़ें गुरुकुल के प्रांगण में जन्मदिन मनाने का अवसर मिला। मुझे गुरुकुलीय जीवन और शिक्षा ने बहुत ज्यादा प्रभावित किया हैं।

श्रीमती अनु वासुदेवा जी द्वारा लिखित पुस्तक शाहजी (The King of Spices) का आर्य गुरुकुल तिहाड़ ग्राम में सम्मान

महाशय धर्मपाल जी की 100 वी जयंती पर अनु वासुदेवा जी द्वारा लिखित पुस्तक शाह जी दा मसाला किंग का विमोचन किया गया।अनु जी ने कहा उन्होंने यह पुस्तक उनके जीवन से प्रेरित होकर उनकी अनुमति से ही लिखी दुभाग्यवश महाशय जी के जीवित रहते हुए न छप सकी। परंतु हम सभी अगर उनके इस रहस्य को जानना चाहते की कैसे वह 97 वर्ष की आयु तक नियमित कार्य कर पाए और व्यवसाय में इतनी ऊंचाई पर कैसे पहुंचे, जिसने विद्यालय की पढ़ाई भी नही की और भारत के उत्कृष्ट सम्मान पद्मविभूषण से भी सम्मानित हुए। अनु जी ने आह्वाहन किया कि पुस्तक को अवश्य ही पढ़े और अपनी प्रतिक्रिया भी दें।

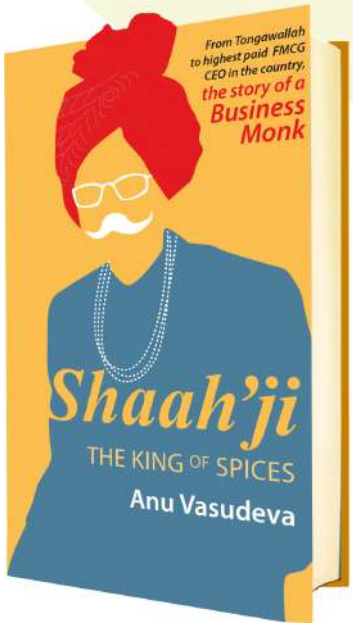

अनु वासुदेवा जी गुरुकुल की सदस्य है

AVAILABLE ON AMAZON AND FLIPKART

वैदिक पर्व नवसंवत्सर गुरुकुल में यज्ञ करके मनाया गया

नवसंवत्सर को गुरुकुल में यज्ञ करके हर्षोल्लास के साथ मनाया गया तथा इसके मूल को समझते हुए गुरुकुल के विद्यार्थियों के साथ नवसंवत्सर के बारे में बृहद चर्चा की गई और सृष्टि की काल गणना को भी बताया गया ।

गुरुकुल में आकर अपने विशेष अवसर को मनाने वाले परिवार

श्री अनव गोयल जी के सुपुत्र का जन्मदिवस

श्री अरुण तमोली जी के सुपुत्र का जन्मदिवस

श्रीमती दीपिका जी की सुपुत्री का जन्मदिवस

श्रीमती शिखा जी के सुपुत्र का जन्मदिवस

गुरुकुल के मार्च मास के विशेष सहयोगी

श्री सुनील कुमार जी

श्रीमती रीतू सूद जी

श्रीमती संध्या आर्या जी

श्री निखिल जग्गी जी

श्री एन. रवि प्रकाश जी

श्रीमती किरन उप्पल जी

श्री अंजू बजाज जी

श्री पूरन सिंह डबास जी

श्री मुकुल दुआ जी

श्रीमती सतीश कोहली जी

श्रीमती सुशीला ठुकराल जी

लवन्या

नूपुर पृथी

श्रीमती संजना बंसल जी

डॉ. एकता देबनाथ जी

श्रिम गर्ग जी

श्री एस.पी कुमार

मेहन परिवार

श्रीमती पायल जी एवं उनकी टीम

आर्य समाज मराथल्ली

श्री सुनील कुमार | डॉ.राहुल पात्रा | श्री कृष्णा सरदाना | श्रीमती खुशबू अरोड़ा | श्री शरनजीत जग्गी
श्रीमती रेनू चड्ढा | श्रीमती सीता मेहता | श्रीमती स्वेता जी | श्री सतीश कोहली | श्रीमती शालिनी
श्रीमती शशी जोहर | डॉ. एकता राजपाल | एन.स्क्वायर इंटरप्राइजेज | सुदेश लूथरा

गुरुकुल के वृहद परिवार की ओर से सभी सहयोगी महानुभावों का हार्दिक आभार एवं धन्यवाद

मार्च मास के पूरे दिन भोजन के सहयोगी

श्री अशोक जैन जी | श्री गर्व गंभीर जी | श्री अरुण आनंद जी | श्री लाजवासुदेव जी | श्री मुकेश जी
श्रीमती तृप्ता भारद्वाज जी | श्री हनी और युवेन जी | श्री नवीन कुमार जी | श्री तरुण आनंद जी | श्री महेंदर जी
श्री अगत्स्या भारतीया जी | श्रीमती इंद्रा रानी जी | श्री जितेंदर कौर जी | श्री मंगेश चावला जी

गुरुकुल के वृहद परिवार की ओर से सभी दान दाताओं का हार्दिक आभार एवं धन्यवाद

गुरुकुल के मासिक सहयोगी

श्री एन.जी.राव
श्रीमती डॉ. रेनू गंभीर
श्रीमती शीतल मल्होत्रा
श्री विशाल खंडूजा जी

गुरुकुल के माध्यम से परिवारों ने यज्ञ करवाया

23 मार्च 2023	श्री इन्द्रजीत आहुजा जी कश्मीरी गेट
30 मार्च 2023	श्री अजय जी सुभाष नगर

मार्च मास के विशेष यज्ञ में सम्मिलित परिवार

श्री प्रथम छाबड़ा जी परिवार

श्री रोहित चौधरी जी

श्रीमती अपूर्वा जी परिवार

श्री आशीष टुटेजा जी परिवार

श्रीमती ऊषा हसीजा जी एवं मौर्या भाटिया जी

श्रीमती अंजू बजाज जी सायंकालीन यज्ञ में ऑनलाइन जुड़ी

श्रीमती राजेन्द्र जी एवं श्री पुनीत जी

श्री दीपेश जी ने अपने बेटे के जन्मदिवस पर गुरुकुल में यज्ञ किया

गुरुकुल के विद्यार्थियों की उपलब्धि अथवा गतिविधियां

गुरुकुल के छात्र जगदीश एवं रोहित ने कक्षा-1 में दोनों बच्चों ने 92% अंक प्राप्त किए

आर्य गुरुकुल के बच्चों का जन्मदिवस

आर्य गुरुकुल तिहाड़ ग्राम में बच्चों का जन्म दिवस बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। जिस बच्चे का जन्मदिन है उसको यज्ञ यज्ञमान बनाया गया और गुरुकुल के अन्य सभी बच्चों ने मिलकर के वेद के पवित्र मंत्रों का पाठ किया। स्वाहा स्वाहा की आहूतियों के साथ में गुरुकुल के वातावरण को पवित्र बनाते हुए गुंजायमान किया गया।

जयदीप आर्य (9 वर्ष)

अजय आर्य (8 वर्ष)

रोशन आर्य (8 वर्ष)

राहुल आर्य (6 वर्ष)

पंकज आर्य (7 वर्ष)

आप अपना सहयोग आर्य गुरुकुल में निम्न प्रकार से कर सकते हैं

- गुरुकुल वेब पेज पर अपने रिव्यु और रेटिंग अवश्य दें
- भोजन
- गुरुकुल मित्र बनकर
- अपने घर यज्ञ कराकर
- Educate a child Rs. 2000 Per Month
- शिक्षा के लिए धन देकर
- Sponsor a child Rs.4000 Per Month

गुरुकुल में बच्चों के साथ यज्ञ करें तथा गुरुकुल के माध्यम से यज्ञ कराने के लिए संपर्क करें

आहार संकल्प
(Pledge a meal)

एक समय का भोजन	1200/-
पूरे दिन का भोजन	4400/-

Bank Details

Arya Gurukul Tihar Gram

Bank Name : Axis Bank
Account No. : 911010047828524
IFSC Code : UTIB0000786

भोजन एवं यज्ञ कराने हेतु संपर्क करें

यज्ञपाल जी : 9818517125
जीवन जी : 9818287125

न्यूनतम राशि 1100 रुपये मासिक देकर गुरुकुल मित्र बनकर गुरुकुल द्वारा चलाये जा रहे इस पुण्य कार्य में सहयोगी बनें।

संस्था को दिया हुआ दान आयकर अधिनियम 80-G के अन्तर्गत कर मुक्त है

https: //www.facebook.com/AryaGurukulTiharGram/
https://www.youtube.com/@aryagurukultihargram969
https://t.me/+DnoLVytBMdlmMTFl

गुरुकुल के टेलीग्राम एप से जुड़कर गुरुकुल की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त करें

GOOGLE WEB PAGE
Arya Gurukul Tihar Gram
गुरुकुल के गूगल वेब पेज पर अपना रिव्यू और रेटिंग अवश्य दें

Support the Cause
Educate the Child
Save the Future
Build the Nation

अपने विचार एंव सुझाव अवश्य प्रेषित करें